Std .VIII HINDI LIT(कौरव नगरी भाग --6)

प्रश्न उत्तर:---

प्रश्न 1 धृतराष्ट्र को किस आशंका ने घेरा है ?

उत्तर:---युद्ध के अंतिम दिन धृतराष्ट्र के हृदय में यह आशंका व्यापी है कि कुछ अनिष्ट होने वाला है। उन्हें अपने पुत्रों की मृत्यु, कुल का सर्वनाश, हस्तिनापुर का विनाश व अपनी हार की आशंका ने घेरा है।इस आशंका से वे पूरी तरह विचलित हैं ।

प्रश्न 2. शांति दूत बनकर श्री कृष्ण ने कौन- सा प्रस्ताव रखा था ?

उत्तर :--जब युद्ध होना निश्चित हो गया तो अंत समय में युद्ध टालने की ख़ातिर श्री कृष्ण हस्तिनापुर में शांति दूत बनकर पांडवों को पाँच ग्राम देने का प्रस्ताव लेकर आते हैं,जिसे दुर्योधन यह कहकर ठुकरा देता है कि युद्ध किए बग़ैर वह सुई की नोक के बराबर भी भूमि नहीं देगा।

प्रश्न 3. धृतराष्ट्र स्वयं के अंधेपन का वर्णन किस प्रकार करते हैं ?

उत्तर :---धृतराष्ट्र जब विदुर पर हस्तिनापुर के विनाश का दोष नहीं मढ़ पाते तब वे अपने अंधेपन का सहारा लेते हैं और कहते हैं कि वे जन्मांध हैं और सामाजिक मर्यादा ,वास्तविक जीवन को न देख सकते हैं न महसूस कर सकते हैं ।बाहरी मर्यादा से उनका कोई परिचय नहीं है। उनका संसार अंधेपन का संसार है। आँखों के सामने अंधेरे के सिवा कुछ भी नहीं है। इसी अंधेरे व कालिमा के कारण वे शब्दों को आकृतियों में परिवर्तित नहीं कर पाते ,और घोर अंधकार में खोए रहते हैं । शायद इसी वजह से सही -ग़लत की भ्रान्ति उनमें सदा रही। और अंधा पुत्र प्रेम ही उनके अंधकारमय जीवन की धुरी रहा।